

त्रेताग्नि पुं. (तत्.) दक्षिण, गार्हपत्य और आह्वनीय  
तीन प्रकार की अग्नियाँ।

त्रेतिनि स्त्री. (तत्.) दक्षिण, गार्हपत्य और आह्वनीय  
अग्नियों से संबद्ध क्रिया।

त्रेधा क्रि.वि. (तत्.) 1. तीन प्रकार से 2. तीन भागों  
में।

त्रै वि. (तद्.) तीन।

त्रैकालिक वि. (तत्.) 1. त्रिकाल संबंधी 2. तीनों  
कालों में होने वाला।

त्रैकाल्य वि. (तत्.) 1. तीनों कालों से संबंधित 2.  
तीन दशाह-उत्पत्ति, रक्षण और विनाश 3.  
सूर्योदय, अपराह्न और सूर्यास्त तीनों समय का।

त्रैकोणिक पुं. (तत्.) 1. तीन कोणों वाला 2.  
जिसके तीन पार्श्व हों।

त्रैगुणिक वि. (तत्.) 1. तीन गुणों वाला 2. तिगुना।

त्रैगुण्य वि. (तत्.) तीनों गुणों का भाव।

त्रैदशिक वि. (तत्.) ईश्वरीय, देवताओं से संबंधित।

त्रैध वि. (तत्.) तिगुना, तिहरा।

त्रैपुरुष वि. (तत्.) पुरुषों की तीन पीढ़ी तक चलने  
वाला।

त्रैमातुर पुं. (तत्.) लक्ष्मण।

त्रैमासिक वि. (तत्.) हर तीसरे महीने होने वाला।  
जैसे- त्रैमासिक पत्रिका।

त्रैमास्य पुं. (तत्.) तीन महीने का समय।

त्रैयंबक वि. (तत्.) त्र्यंबक संबंधी।

त्रैयंबिका स्त्री. (तत्.) गायत्री।

त्रैलोक्य पुं. (तत्.) इंद्र।

त्रैलोक्य पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग, पृथ्वी, पाताल- तीनों  
लोक 2. 21 मात्राओं वाला एक छंद।

त्रैवर्गिक वि. (तत्.) ऐसा कर्म जिससे धर्म, अर्थ  
और काम की सिद्धि हो।

त्रैवर्षिक वि. (तत्.) तीन वर्ष का।

त्रैवर्णिक पुं. (तत्.) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य- तीनों  
वर्णों का धर्म वि. त्रिवर्ण से संबंधित।

त्रैवर्षिक वि. (तत्.) तीन वर्षों में एक बार होने  
वाला, तीन वर्ष संबंधी।

त्रैविक्रम पुं. (तत्.) विष्णु।

त्रैविद्य पुं. (तत्.) 1. तीनों वेदों को जानने वाला  
2. तीन वेदों का अध्ययन।

त्रैविश्वय पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग में रहने वाला 2. देवता।

त्रैशंकव पुं. (तत्.) त्रिशंकु के पुत्र हरिश्चंद्र।

त्रैस्वर्य पुं. (तत्.) तीनों स्वर-उदात्त, उदात्त, और  
स्वरित।

त्रैहायण पुं. (तत्.) तीन वर्ष का समय।

त्रोटक पुं. (तत्.) 1. एक शृंगार प्रधान नाटक 2.  
एक राग 3. एक छंद 4. एक विषैला कीड़ा।

त्रोटकी स्त्री. (तत्.) संगीत में एक रागिनी।

त्रोटि पुं. (तत्.) 1. कायफल 2. चोंच 3. एक प्रकार  
की मछली।

त्रोण पुं. (तत्.) तरकश।

त्रोतल वि. (तत्.) तोतला, तुतलाकर बोलने वाला।

त्रोत्र पुं. (तत्.) 1. अस्त्र 2. चाबुक 3. एक प्रकार  
का रोग।

त्र्यंगुल वि. (तत्.) तीन अंगुल की लंबाई वाला।

त्र्यंजन पुं. तीन प्रकार के अंजन- कालांजन,  
रसांजन और पुष्पांजन।

त्र्यंबक पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. एक रुद्र।

त्र्यंबका स्त्री. (तत्.) दुर्गा जिसके सोम, सूर्य और  
अनल नेत्र माने जाते हैं।

त्र्यंबुक पुं. (तत्.) एक प्रकार की मक्खी।

त्र्यक्ष पुं. (तत्.) तीन आँखों वाला, शिव।

त्र्यक्षक पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

त्र्यक्षर वि. (तत्.) द्वे. त्र्यक्षरक।